

प्रेषक,

आलोक कुमार जैन,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प०क०,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून : दिनांक 01 अप्रैल, 2002

विषय :- सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी तथा महिला चिकित्सालय, हल्द्वानी का स्वामित्व उत्तरांचल फारेस्ट हास्पिटल ट्रस्ट, हल्द्वानी को दिये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषय के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तरांचल फारेस्ट हास्पिटल ट्रस्ट, हल्द्वानी के अन्तर्गत प्रस्तावित मेडिकल कालेज की स्थापना हेतु सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी तथा महिला चिकित्सालय, हल्द्वानी का स्वामित्व निःशुल्क उक्त ट्रस्ट को दिये जाने का सैद्धान्तिक निर्णय लिया गया है। अतः इसके क्रियान्वयन के लिये निम्नलिखित बिन्दुओं पर कार्यवाही प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र कराने का कष्ट करें :-

1. सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी तथा महिला चिकित्सालय, हल्द्वानी की भूमि, भवन, उपकरण तथा वाहन जैसा है जहां है के आधार पर ट्रस्ट को निःशुल्क हस्तान्तरित कर दिया जाये। महानिदेशक हस्तान्तरण की कार्यवाही नियमानुसार सुनिश्चित कराये।
2. सम्पत्ति के हस्तान्तरण में पंजीकरण हेतु स्टाम्प शुल्क से ट्रस्ट को छूट रहेगी। इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। तदोपरान्त औपचारिक आदेश निर्गत किये जायेंगे।
3. इन चिकित्सालयों में सृजित पदों को समाप्त किया जाना है। अतः हस्तान्तरण के पूर्व ट्रस्ट इस हेतु यथावश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर लें और उन पदों पर चिकित्सा विभाग से अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति पर ले लें।
4. इन चिकित्सालयों में वर्तमान में तैनात ऐसे अधिकारी/कर्मचारी जो प्रतिनियुक्ति पर ट्रस्ट की सेवा में स्वेच्छा से जाने को तैयार नहीं होंगे, उन्हें विभाग के अन्तर्गत उत्तरांचल में ही विभाग के रिक्त पदों के सापेक्ष समायोजित कर लिया जाये।
5. राजकीय चिकित्सालय ट्रस्ट के स्वामित्व में आने के फलस्वरूप यह आवश्यक होगा कि ट्रस्ट द्वारा इन राजकीय चिकित्सालयों में हस्तान्तरण के पश्चात् भी आकस्मिक सेवाये, दैवीय आपदा होने की स्थिति में राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने की बाध्यता, जी.आई.पी. ड्यूटी, मेडिको-लीगल प्रकरणों (कैसेब), आकस्मिक सेवाये आदि की व्यवस्था पूर्व की भांति राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों तथा तद्विषयक राज्य सरकार के नियमों के अनुसार की जाती रहेगी। जन साधारण/ जन-प्रतिनिधि/ सरकारी

सेवकों हेतु इन राजकीय चिकित्सालयों में हस्तान्तरण के पश्चात भी यूजर चार्ज वही रहेंगे जो उत्तरांचल के राजकीय चिकित्सालयों में लागू रहेंगी तथा सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों का संचालन भी शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुरूप ट्रस्ट द्वारा किया जाना होगा। ट्रस्ट अस्पताल द्वितीय स्तर एवं तृतीय स्तर की सुविधाओं हेतु रीफरल केन्द्र के रूप में भी कार्य करेगा।

6. इन राजकीय चिकित्सालयों के संचालन हेतु जो बजट व्यवस्था वर्तमान में चिकित्सा विभाग द्वारा दी जाती है वह हस्तान्तरण के पश्चात समाप्त हो जायेगी लेकिन चिकित्सालयों के सुचारु संचालन हेतु समतुल्य धनराशि शासन वन विभाग के माध्यम से ट्रस्ट को उपलब्ध करायेगी।
7. ट्रस्ट द्वारा चिकित्सालयों के सुचारु संचालन हेतु चिकित्सालय प्रबन्धन समिति का भी गठन किया जा सकेगा।
8. अन्य बिन्दुओं पर यथासमय अलग से निर्देश जारी किए जायेंगे।

2- उक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 242/वित्त अनु.-3/2002 दिनांक 30.04.2002 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

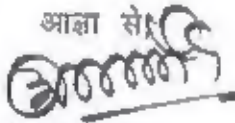
भवदीय,

(आलोक कुमार जैन)
सचिव

संख्या : 266 (1)/चि-3-2002/3453/2002 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
2. सचिव, उत्तरांचल फारेस्ट हास्पिटल ट्रस्ट, उल्लहानी।
3. मुख्य चिकित्साधिकारी, नैनीताल।
4. वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव